रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ जुलाई-सितम्बर, 2025

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

वर्ष-70 संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर अंक : 01

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.
Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com
http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी को इण्टरमीडिएट की मान्यता

साक्षरता निकेतन परिसर में संचालित डॉ. वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी अपनी स्थापना काल से निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रारम्भ में अकादमी में जूनियर हाईस्कूल तक की शिक्षा प्रदान की जाती थी। साक्षरता निकेतन के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रयास से वर्ष 2011 में इसे हाईस्कूल तक की मान्यता प्राप्त हुई। तदुपरान्त इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान अधिकारियों के प्रयास से माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने अपने पत्र संख्या- मा.शि.प.क्षे.क.प./711, दिनांक 24.07.2025 के माध्यम से अकादमी को इन्टरमीडिएट यू.पी. बोर्ड की मान्यता प्रदान की है। यह मान्यता कक्षा 11 एवं 12 के लिए मानविकी तथा वाणिज्य वर्ग के लिए प्रदान की गई है।

लाभार्थियों को वितरित किया कौशल प्रमाण-पत्र एवं टूल किट

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जन शिक्षण संस्थान (प्रायोजित कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार) द्वारा यू.पी.पी.सी.एल. एवं यू.पी. एस.आर.टी.सी. की कार्यशालाओं में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कुल 140 प्रशिक्षणार्थियों को दिनांक 07.08.2025 को प्रमाण-पत्र एवं टूल-किट राज्य नियोजन संस्थान सभागार, काला- कांकर भवन, न्यू हैदराबाद, लखनऊ में वितरित किये गये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि), अध्यक्ष इण्डिया लिटरेसी

बोर्ड तथा जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब के अन्दर कोई न कोई हुनर अवश्य है, जिसे हम स्वयं पहचान कर और उसे तराश कर अपनी जीविकोपार्जन एवं व्यवसाय का साधन बना सकते हैं। उन्होंने यू.पी.पी.सी.एल. के 100 प्रशिक्षित लाभार्थियों को टूल-किट एवं प्रमाण पत्र वितरित करते हुए उन्हें विद्युत कार्यों को करते समय पर्याप्त सावधानी बरतने के लिए सचेत किया।

श्री भूसरेड्डी के द्वारा उ.प्र. राज्य परिवहन निगम के कुल 40 प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण प्रत्र एवं टूल-किट का वितरण करते हुए उन्हें परिवहन निगम की बसों के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी साझा की गयी। बसों के इंजन एवं एयरकन्डीशनिंग सिस्टम में सामान्य रूप से आने वाली तकनीकी खराबियों एवं उनके ठीक करने के उपायों के विषय में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने उपस्थित अतिथियों एवं अध्यक्ष महोदय का स्वागत करते हुए संस्था का परिचय दिया तथा कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। सुश्री तिवारी ने उपस्थित लाभार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रमाण-पत्र को प्राप्त करने के उपरान्त आप अवश्य ही अपने जीवन को और समृद्ध बना सकेंगे।

इस अवसर पर यू.पी.पी.सी.एल. एवं यू.पी.एस. आर.टी.सी. के अधिकारीगणों के अतिरिक्त इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन, विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह तथा जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह व अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के प्रशिक्षण प्रभारी श्री राम चन्द्र यादव के द्वारा किया गया। □□□

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, साक्षरता निकेतन परिसर में 15 अगस्त, 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस समारोह में वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रम में निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सलाहकार, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, विशेष कार्याधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की प्रधानाचार्या एवं शिक्षकों सहित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सभी कार्मिक उपस्थित हुए।

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन

साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उ.प्र. तथा राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथिगण एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक महोदया के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति, बुन्देलखण्ड एवं कानपुर विश्वविद्यालय प्रो.जे.वी. वैशम्पायन ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी असाक्षर को साक्षर कर देना ही साक्षरता नहीं है, बल्कि किसी एक भाषा में समझ कर पढ़ना, लिखना और गणित में आत्मनिर्भर बनना पूर्ण साक्षरता है। किसी असाक्षर को साक्षर करने में यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उसे कार्यात्मक साक्षरता का भी ज्ञान हो। उन्होंने आगे कहा कि 21वीं शताब्दी की सबसे बड़ी आवश्यकता डिजिटल साक्षरता है, इसके लिए आवश्यक कदम उठाना बहुत जरूरी है।

इस अवसर पर राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. के प्रबन्ध निकाय के सदस्य डॉ. अंशुमालि शर्मा ने कहा कि साक्षरता कार्यक्रमों में आज के परिपेक्ष्य में साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय साक्षरता को भी शामिल किया जाना आवश्यक है। साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उ.प्र. के निदेशक श्री भगवती सिंह ने बताया कि किसी असाक्षर को साक्षर करने के बाद उसे वित्तीय साक्षरता, विधिक साक्षरता और व्यवसायिक कौशल के साथ अवश्य जोड़ा जाए, यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। इसके लिए प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों व संगठनों का भी सहयोग लिया जा रहा है।

एच.सी.एल. फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रमुख श्री योगेश कुमार ने असाक्षरों को साक्षर बनाने के बाद उसे विकास की मुख्य धारा से जोड़े जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

साक्षरता केन्द्रों का आनलाइन उद्घाटन : इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में लखनऊ नगर निगम के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, न्याय पंचायत-अजगैन, ब्लॉक-नवाबगंज, जिला-उन्नाव, न्याय पंचायत-निम्दीपुर, ब्लॉक-जरवल, जिला-बहराइच एवं ग्राम- धनावल, ब्लॉक-मांडा, जिला-प्रयागराज में संचालित किए जाने वाले साक्षरता केन्द्रों का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में राज्य संसाधन केन्द्र के नोडल अधिकारी, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव द्वारा उक्त समारोह में पधारे मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री राम चन्द्र यादव, प्रभारी प्रशिक्षण, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उ.प्र., इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र., वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के 'इच वन, टीच वन' कार्यक्रम से जुडे हुए छात्र-छात्राएँ, शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं जन शिक्षण संस्थान के समस्त पदाधिकारी एवं कार्मिकगण भी उपस्थित हुए। जनपद श्रावस्ती, बाराबंकी, सीतापुर एवं लखनऊ में संचालित साक्षरता कार्यक्रमों के समन्वयक, प्रेरकगण एवं असाक्षर लाभर्थीगण भी आनलाइन वीडियो क्रान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का कुशल संचालन इंडिया लिटरेसी बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राज्य संसाधन केंद्र के नोडल अधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

डॉ. वेल्दी हॉनसिंगर फिशर की 146वीं जयन्ती का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर की 146वीं जयन्ती का आयोजन साक्षरता निकेतन परिसर में दिनांक 18.09.2025 को उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम प्रार्थना भवन में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसमें सभी धर्मों के लोग सम्मिलित हुए। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी आई.ए.एस.(से.नि.) एवं निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस (से.नि.) द्वारा मुख्य अतिथि श्री रोहित नन्दन, आई.ए.एस (से.नि.) के साथ डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कक्षा-10 व 11 की छात्राओं द्वारा डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन एवं उनके उत्कृष्ट कार्यों पर विस्तार से क्रमशः हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाश डाला गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष के द्वारा संयुक्त रूप से अकादमी के कुल 37 मेधावी छात्र- छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार तथा अकादमी की दो अध्यापिकाओं- सुश्री सुमन वर्मा एवं सुश्री रिचा बाजपेई को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा साक्षरता के क्षेत्र में डॉ. फिशर के अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला गया तथा विगत 03 वर्षों में संस्था द्वारा शिक्षा, कौशल विकास तथा आधुनिक कृषि के क्षेत्र में अर्जित प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन सिद्धान्त एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का आवाह्न किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री रोहित नन्दन द्वारा साक्षरता निकेतन के गौरवमयी इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के वर्तमान अध्यक्ष एवं निदेशक द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए समय-समय पर पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे वह शिक्षा में हो रहे तकनीकी बदलाव को जाने और इससे छात्र भी लाभान्वित हो सकें।

कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह तथा निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस.(से.नि.), राज्य संसाधन केन्द्र के सदस्य, पद्मश्री विद्याबिन्दु सिंह एवं सुश्री लक्ष्मी कौल तथा श्री रोबिन सरकार, शिव नाडर फाउण्डेशन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के श्री प्रवीन टण्डन, सलाहकार, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, विशेष कार्याधिकारी, श्री सुधाकर मान सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, सुश्री शालिनी सक्सेना, प्रधानाचार्या सहित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, राज्य संसाधन केन्द्र एवं जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ में कार्यरत समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण, अध्यापक-अध्यापिकाएँ तथा समस्त छात्र-छात्राएँ आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अध्यक्ष इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं मुख्य अतिथि महोदय द्वारा साक्षरता निकेतन परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

कारगिल विजय दिवसः वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी परिसर में दिनांक 26.07.2025 को कारगिल विजय दिवस आयोजन के अवसर पर अकादमी के छात्र-छात्राओं नें उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अकादमी की प्रधानाचार्या ने देश पर शहीद हुए जवानों को श्रद्धाँजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा सुश्री अपूर्वा तथा सुश्री अनन्या सिंह ने शहीदों के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रमाण पत्र वितरणः वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी द्वारा एक माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया था। कार्यक्रम की पूर्णता के उपरान्त दिनांक 26.07.2025 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 25 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

अग्नि शमन प्रशिक्षणः दिनांक 05.08.2025 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के कर्मचारियों तथा अकादमी के छात्र-छात्राओं के लिए अग्निशमन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षक श्री के.पी. सिंह तथा अमन कुमार के द्वारा आग से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गयी। जानकारी प्राप्त कर बच्चों को विशेष प्रसन्नता हुई।

रक्षाबन्धन का पर्वः दिनांक 08.08.2025 को विद्यालय की छात्राओं ने स्वयं ही धागों तथा मोतियों के प्रयोग से राखी बनाईं और हाथ से बनी राखी छात्रों की कलाई पर बाँधा गया। छात्रों ने उन्हें चाकलेट तथा अन्य उपहार दिए।

स्वतंत्रता दिवसः इण्डिया लिटरेसी बोर्ड साक्षरता निकेतन परिसर में स्वतंत्रता दिवस का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों एवं शिक्षकों ने भी इसमें प्रतिभाग किया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात कबीर थियेटर में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

राष्ट्रीय खेल दिवसः दिनांक 29.08.2025 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न खेलों में बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्रों के मध्य बास्केट बाल, बॉलीबाल, चेस, कैरम आदि की प्रतियोगिता कराई गईं।

शिक्षक दिवसः 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर अकादमी के छात्रों द्वारा कबीर थियेटर में सर्वप्रथम अक्षरदात्री माँ डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण कर आयोजन का प्रारम्भ किया गया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गईं।

डॉ. वेल्दी फिशर की जयन्ती का आयोजनः यह आयोजन साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया जिसमें अकादमी के छात्रों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। कबीर थियेटर में हुए इस आयोजन में अकादमी के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही अकादमी की दो शिक्षिकाओं को भी पुरस्कृत किया गया है। इसमें क्रमशः

सीनियर वर्ग से सुश्री सुमन वर्मा तथा जूनियर से सुश्री रिचा बाजपेई को 11-11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र तथा मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10 की छात्रा उम्मे हबीबा तथा कक्षा 11 की छात्रा खुशबू ने डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

□□□

कृषि प्रक्षेत्र की गतिविधियाँ

धान : बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर क्रमशः 28 एकड़ एवं 15 एकड़ क्षेत्रफल में धान की रोपाई कराई गई थी, जो पकने की अवस्था में है। माह अक्टूबर के तृतीय सप्ताह में कृषि विभाग के सहयोग से क्रॉप कटिंग करायी जायेगी।

गन्ना : बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर क्रमशः 02 एकड़ एवं 12 एकड़ क्षेत्रफल में गन्ना पेड़ी का उत्पादन लिया जा रहा है, जिसकी कटिंग जनवरी, 2026 माह में करायी जाएगी ।

बरसीम : बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्र द्वारा प्राणी उद्यान को नियमित रूप से 13 कुन्तल हरा चारा आपूर्ति किया जा रहा है। हरा चारा की नियमित एवं निर्बाध रूप से आपूर्ति हो सके, इसको दृष्टिगत रखते हुए बरसीम की बुवाई का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

□□□

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-70, अंक : 03
जुलाई-सितम्बर, 2025

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

सुविचार

त्यौहार हमारे बीच प्रेम और भाईचारे का संदेश लेकर आते हैं। यह हमें आपस में जोड़ते हैं और हमारी झोली खुशियों से भर जाते हैं। शर्त यह है कि हम इन्हें मिल-जुलकर मनाएँ।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

विश्व युवा कौशल दिवस : जन शिक्षण संस्थान कानपुर द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कौशल संवाद एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 15 जुलाई, 2025 को संस्थान के कार्यालय परिसर में किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने बताया कि आज हम कौशल दिवस की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उचित कौशल के साथ युवा अर्थव्यवस्था में योगदान के साथ ही सामाजिक बदलाव भी ला सकते हैं। इस अवसर पर डिजिटल लिटरेसी एवं सेल्फी कार्यक्रम, 'स्किल इण्डिया, स्ट्राँग इण्डिया' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता तथा निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर संस्थान के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

प्रतिभागियों को साइबर फ्राड से बचने की जानकारी दी गई। संस्थान के निदेशक द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कौशल के महत्व की जानकारी दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छता पखवाड़ा : कार्यक्रम के अन्तर्गत सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गई और उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सप्ताह में दो घंटे साफ-सफाई के लिए देने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र कुमार, असिस्टेंट मैनेजर यू.पी.एफ.सी. कानपुर ने भी प्रतिभागियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने वातावरण को स्वच्छ तथा पर्यावरण के अनुकूल रखने की प्रतिबद्धता जताई गयी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान का प्रारम्भ दिनांक 17 जुलाई से किया गया। इस क्रम में प्रशिक्षण केन्द्र बक्तौरीपुरवा, गाँधी नगर घाटमपुर में स्वच्छता शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षण केन्द्रों के 200 से अधिक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों के सहयोग से स्वच्छता जागरूकता रैली का शुभारम्भ श्रीमती आरती अरोड़ा, कमाण्डिंग आफिसर, कैण्ट, कानपुर द्वारा किया गया। रैली में उपस्थित प्रतिभागियों ने स्वच्छता का संदेश दिया।

हर घर तिरंगा अभियान : जन शिक्षण संस्थान कानपुर द्वारा दिनांक 13 अगस्त, 2025 से 15 अगस्त 2025 तक हर घर तिरंगा अभियान संचालित कर संस्थान के कर्मचारियों, प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को तिरंगा वितरित किया गया।

इसी क्रम में दिनांक 14 अगस्त, 2025 को दबौली, मीरपुर कैण्ट बारातशाला, कैण्ट एवं सीसामऊ प्रशिक्षण केन्द्र में लगभग 160 से अधिक प्रतिभागियों को तिरंगा झण्डे का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह अवसर हमें अपने मातृभूमि के प्रति गर्व, देशभक्ति और प्रतिबद्धता में एकजुट होने की प्रेरणा देता है।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन : 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिनांक 15 अगस्त, 2025 को सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा संस्थान के कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य

नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करना और तिरंगे के साथ एक व्यक्तिगत भावनात्मक जुड़ाव बनाना है। इस अवसर पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को संस्थान के निदेशक श्री पाठक द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रमाण पत्र एवं टूलकिट वितरण : दिनांक 05 सितम्बर, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में केस्को, कानपुर में संचालित हेल्पर-इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियन के 04 बैच के 80 सफल प्रतिभागियों को तथा दिनांक 09 सितम्बर, 2025 को यू.पी. एस.आर.टी.सी. वर्कशाप, फजलगंज, कानपुर में हेल्पर-वायरमैन एवं असिस्टेंट वेल्डर एण्ड टेक्नीशियन प्रशिक्षण के कुल 40 सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पैतृक संस्था- इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ से प्राप्त टूलकिट का वितरण मुख्य अतिथि श्री पी.के.सिंह, अधीक्षण अभियंता (तकनीकी), केस्को कानपुर एवं श्री गोकरन सिंह, सेवा प्रबन्धक, यू.पी.एस.आर.टी.सी. तथा संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा किया गया।

□□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र.	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	सुश्री सुषमा ढौडियाल, वरिष्ठ सहायक	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री देवी प्रसाद, प्लम्बर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

विश्व जन संख्या दिवसः कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा विश्व जन संख्या दिवस का आयोजन संस्थान के कार्यालय परिसर में दिनांक 11 जुलाई, 2025 को किया गया। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारी तथा प्रशिक्षक एवं अनेक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए। संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों को लगातार बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या भारत के लिए ही नहीं अपितु विश्व के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने अपने सम्बोधन में बढ़ रही जनसंख्या के रोकथाम की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश साहू, सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा प्रशिक्षिका अंचला देवी सहित प्रशिक्षार्णी उपस्थित हुए।

विश्व युवा कौशल दिवसः दिनांक 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के कार्यालय परिसर में कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आज भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण करने एवं विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में संपूर्ण भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के ब्यूटी केयर असिस्टेंट एवं कम्प्यूटर का प्रशिक्षण ले रहे लाभार्थियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजनः 15 अगस्त, 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.), लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात प्रशिक्षाणर्थियों द्वारा देशभक्ति परक चित्रकला प्रतियोगिता एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई। साथ ही लखनऊ जनपद के समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी ध्वजारोहण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनांक 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक 'हर घर तिरंगा-हर दिल तिरंगा अभियान के अन्तर्गत समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर लाभार्थियों को तिरंगा वितरित किया गया।

शिक्षक दिवस : जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा 05 सितम्बर शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर संस्थान के समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। संस्थान के प्रभारी निदेशक श्री शुमम मिश्रा ने सभी सम्मानित प्रशिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं कलम प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन श्री गौरी शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर संस्थान के श्री आदित्य मिश्रा, लेखाकार एवं अजय कुमार के साथ प्रशिक्षिका सुश्री प्रियंका त्रिपाठी, श्रीमती अंचला देवी तथा अनीता यादव सहित लगभग 50 प्रशिक्षाणर्थी उपस्थित हुए।

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

विश्व युवा कौशल दिवसः जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस की 10वीं वर्षगाँठ के अवसर पर सहसपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, रियलाइन्स ग्रुप के प्रबन्धक श्री सुशील कुमार तथा संस्थान के कार्यकर्ता, सन्दर्भदाता श्री शादाब मलिक एवं प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थियों व अन्य स्थानीय युवाओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस पूरे विश्व में 15 जुलाई को प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। इस दिन को हर साल युवाओं को कॉशल विकसित करने और उनके फायदों के बारे में जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के साथ आत्मनिर्भर भी बनाना है और साथ ही उनको स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस अवसर पर रिलायन्स ग्रुप के प्रबन्धक श्री सुशील कुमार ने कहा कि युवाओं में कौशल विकास माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का एक सपना भी है। युवाओं का कौशल विकास देश की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता और आत्मनिर्भर भारत की नींव है। युवाओं को डिजिटल साक्षरता और तकनीकी कौशल से लैस करना यह सुनिश्चित करता है कि वे पीछे रहने के बजाय बदलाव का नेतृत्व कर सकते हैं। विश्व युवा कौशल दिवस का उद्देश्य युवाओं को रोजगार, काम और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत हरेला पर्व का आयोजनः जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम एवं उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के उपलक्ष्य में दिनांक 16.07.2025 को 'पौधारोपण के महत्व' पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन गाँव खैरी मानसिंह, विकास खण्ड डोईवाला के शिव मन्दिर प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर स्थानीय प्रधान प्रतिनिधि श्री रमेश चन्द, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, समाजसेवी श्रीमती सुखविन्दर कौर, आंगनबाड़ी कार्यकत्री श्रीमती सुमनबाला, संस्थान के कार्यकर्ता, संदर्भदाता श्रीमती निशा सिंह, श्रीमती रणजीत कौर तथा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व क्षेत्रीय महिलाएं सम्मिलित हुई। कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने आए हुए सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधारोपण के महत्व पर चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने जन शिक्षण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का सकारात्मक प्रभाव मानव जीवन पर ही नहीं, बल्कि इसके अलावा हमारे पर्यावरण व अन्य जीव-जन्तुओं पर भी पड़ता है। इसलिए हम सभी को स्वच्छता का सदैव ध्यान रखना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय प्रधान प्रतिनिधि श्री रमेश चन्द जी द्वारा की गई। उन्होंने स्वच्छता के महत्व तथा पौधारोपण की पर्यावरण सुरक्षा हेतु आवश्यकता पर विस्तार से बताया। इसके पश्चात सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुखविन्दर कौर ने भी हरेला पर्व के अन्तर्गत पौधारोपण पर अपने विचार रखें। उन्होंने बताया कि यदि शुभ अवसरों पर उपहारों के स्थान पर हम अपने परिजनों व सगे सम्बन्धियों को एक पौधा भेंट करें तो यह प्रकृति के प्रति

हमारी सच्ची श्रद्धा होगी, जिसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अन्त में सभी ने स्वच्छता शपथ लिया और पौधारोण में अपनी सहभागिता किया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान पूरे देश में 17 सितम्बर से शुरु होकर गाँधी जन्यती के अवसर पर 2 अक्टूबर तक मनाया जायेगा। जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' जनपद के सभी 6 ब्लॉक के अन्तर्गत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित किया गया। इसमें संस्थान के कार्यकताओं, संदर्भदाताओं, प्रशिक्षणार्थियों व स्थानीय जनमानस ने भागीदारी की।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनों को मुख्य रूप से स्वच्छता की दिशा में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के सपनों के अनुसार अपने आस-पास तथा कार्यालय परिसर आदि को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही एकल प्रयोग होने वाले प्लास्टिक, घरों से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण के लिए दो डस्टविन का प्रयोग, जिसमें कि सूखे व गीले कूड़े को पृथक रखना, सार्वजनिक स्थलों व शौचालयों की सफाई, खुले में शौच मुक्ति के प्रति जागरूकता तथा पर्यावरण के अनुकूल अपनी दिनचर्या को अपनाने के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। केन्द्र सरकार के प्रयासों से चलाए गए स्वच्छता ही सेवा अभियान में जन शिक्षण संस्थान देहरादून परिवार ने पूरे उत्साह के साथ कार्य किया।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजनः जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 15 अगस्त, 2025 को 79वाँ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्थान के कार्यालय परिसर में झण्डारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारी व कर्मचारीगणों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी उपस्थित जनों ने सम्मिलत स्वर में राष्ट्रगान गया तथा सूक्ष्म जलपान के बाद समारोह समाप्त किया गया।

वंचित समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने का कानून

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम-1989

अनुसूचित जाति और जनजाति के नागरिकों को समाज में बराबरी का अधिकार दिलाने, उन पर होने वाले अत्याचारों को रोकने तथा उन्हें समाज में प्रतिस्थापित कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से सरकार ने जो कानून बनाए हैं, उसे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम 1989 के अन्तर्गत उल्लिखित किया गया है और भारतीय संसद द्वारा पारित किया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य में जातियों के सन्दर्भ में कई बार हमारे मन में इस बात को लेकर संशय भी होता है कि आखिर इन जातियों में वह कौन सी उप-जातियाँ शामिल की गई हैं जिससे हम यह पहचान कर सकें कि कौन सी जाति का व्यक्ति किस वर्ग के अन्तर्गत आता है। उत्तर प्रदेश में अनु.जाति और अनु.जनजाति में

जो उपजातियाँ शामिल की गई हैं उनका विवरण इस प्रकार है-

अनुसूचित जाति में शामिल उपजातियों में: अगरिया, कंजड, कपड़िया, कबडिया, करवल, कलाबाज, कोरवा, कोरी, कोल, खटिक, खरैता, खरवार (बनवासी को छोड़कर), खरोट, ग्वाल, गोंड, घसिया, चमार, चेरा, जाटव, झुसिया, डोम, डोमर, तरमाली, तुरैहा, दबगर, दुसाध, धनगर, धरकार, धरमी, धुसिया, धानुक, धोबी, नट, पंखा, पतरी, पहरिया, पासी, बैगा, बंगाली, बजनिया, बेड़िया, बधिक, बनमानुष, बरवार, बलई, बेलदार, बलहर, बैसवार, बसोड़, बहेलिया, बाजगी, बादी, बाल्मीकि, बावरिया, बांसफोर, बोरिया, भुइया, भुइयार, भंतू, मजहबी, मझवार, मुसहर, रावत, लालबेगी, शिल्पकार, सनोरिया, सहरिया, सांसिया, हाबुड़ा, हरी तथ हेला आदि को सम्मिलित मान्य किया गया है।

अनुसूचित जनजाति में शामिल उपजातियों में: ओझा, गोंड, जौनसारी, थारू, धुरिया, नायक, पठारी, बोक्सा, भोटिया तथा राजगोंड का सम्मिलित किया गया है।

उक्त अत्याचार निवारण अधिनियम प्रमुखतः वंचित समुदाय के व्यक्तियों को जाति आधारित भेदभाव, हिंसा आदि अपराधों से सुरक्षा के लिए बनाया गया है। अधिनियम के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के व्यक्तियों के विरूद्ध जानबूझकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करता है, जिससे उस व्यक्ति की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचे, तो इस एक्ट में उल्लिखित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। दोषी पाए जाने पर पाँच वर्ष तक की सजा और जुर्माना भी हो सकता है।

सरकार ने समाज से जातिगत भावना को समाप्त करने के उद्देश्य से कानून बनाए हैं और उनको सख्ती से लागू करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम वर्ष 2015 के द्वारा और अधिक कठोर प्रावधानों को शामिल करके और अधिनियम के दायरे का विस्तार करके अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों को दी जाने वाली सुरक्षा को उत्तरोत्तर मजबूत किया गया है। इसी के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम, 1989 की धारा 18 दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (जिसे अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के रूप में प्रतिस्थापित किया गया है) की धारा 438 जिसमें अग्रिम जमानत का प्रावधान किया गया था, उस पर रोक लगा दी गई है।

अनुसूचित जाति/जनजाति के सदस्यों का किसी भी तरह का सामाजिक बहिष्कार करना, यौन शोषण और बिना सहमति के इस वर्ग की महिलाओं को जानबूझकर छूना आदि को अपराध माना गया है। यही नहीं अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित कर्तव्यों की उपेक्षा करने वाले लोक सेवकों को भी जेल भेजे जाने का प्राविधान किया गया है। शासन ने राज्य में जातिगत गत भेदभाव समाप्त करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर जाति के उल्लेख पर रोक लगा दी है। इस संदर्भ में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकार्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। हाईकोर्ट ने इसे संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए राज्य सरकार और पुलिस को इसमें बदलाव के निर्देश देते हुए कहा है कि आधुनिक समय में जाति का इस्तेमाल करना समाज को विभाजित करने वाला कदम है। □□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव